>

Title: Need for better train facilities for the Bansgaon Parliamentary Constituency-laid.

श्री कमलेश पासवान (बांसगांव) ः मैं रेल मंत्री का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र बांसगांव की रेल समस्या की ओर दिलाना चाहता हूं । गोरखपुर जनपद का संसदीय क्षेत्र बांसगांव प्राचीन काल से ही शासन का केन्द्र रहा है । राप्ती व सरयू नदी के बीच स्थित यह क्षेत्र अपने धार्मिक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व के कारण चर्चा में रहा है । संत कबीर से लेकर देवरहवा बाबा के स्थान तक फैला यह क्षेत्र नदियों के कारण जलभराव से ग्रसित रहा है । गोरखपुर से वाराणसी को जोड़ने वाला एकमात्र सड़क मार्ग जो बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो जाता है, यातायात का साधन है । यहां बौद्ध तीर्थों के ऐतिहासिक केन्द्र हैं और देश-विदेश से हजारों पर्यटक यहां आते हैं । गोरखपुर से नेपाल बार्डर तक बड़ी रेल लाइन का निर्माण हो चुका है । यदि दोहरीघाट से गोरखपुर की रेल लाइन का निर्माण हो जाए और मऊ से बांसगांव होते हुए आमान परिवर्तन कर बड़ी रेल लाइन बना दी जाए तो बनारस से काठमाण्डू की दूरी कम हो जाएगी । गोरखपुर से बनारस तक अभी 8 घंटे लगते हैं । गोरखपुर से दोहरीघाट तक रेल लाइन का निर्माण हो जाए तो यह दूरी मात्र तीन घंटे में पूरी हो जाऐगी। अतः रेल मंत्री इस ओर ध्यान दें ।